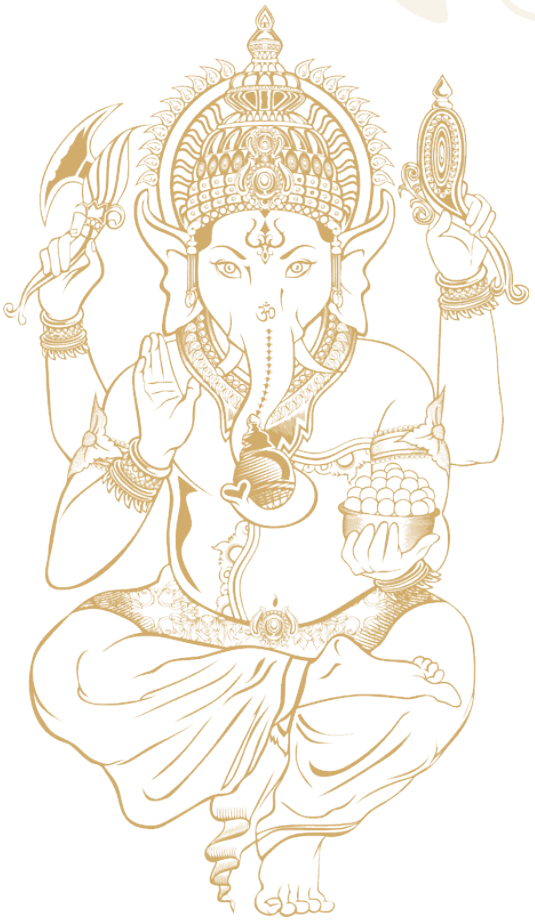

Atul Sharma

Praiya Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121314905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1997	जन्म तिथि	26-27/01/1995
शनिवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 19:52:00	जन्म समय	01:26:00 घंटे
घटी 34:30:29	जन्म समय(घटी)	44:51:15 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Delhi
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:48	सूर्योदय	07:12:40
18:59:11	सूर्यास्त	17:54:47
23:49:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 16वर्ष 2मा 24दि		04:56:22	मीन	लग्न	तुला	21:17:52	बुध 16वर्ष 4मा 5दि	
शुक्र		13:25:08	सिंह	सूर्य	मक	12:36:18	शुक्र	
23/11/2020		17:16:05	कर्क	चंद्र	वृश्चि	17:10:37	03/06/2018	
23/11/2040		16:25:09	तुला	मंगल व	सिंह	05:06:39	03/06/2038	
शुक्र	25/03/2024	15:16:19	सिंह व	बुध व	मक	27:24:57	शुक्र	02/10/2021
सूर्य	25/03/2025	20:34:32	मक व	गुरु	वृश्चि	15:42:29	सूर्य	03/10/2022
चन्द्र	24/11/2026	21:32:51	कन्या	शुक्र	वृश्चि	26:15:06	चन्द्र	02/06/2024
मंगल	24/01/2028	25:50:17	मीन व	शनि	कुंभ	16:42:10	मंगल	03/08/2025
राहु	24/01/2031	25:55:29	सिंह व	राहु व	तुला	16:58:09	राहु	02/08/2028
गुरु	24/09/2033	25:55:29	कुंभ व	केतु व	मेष	16:58:09	गुरु	03/04/2031
शनि	23/11/2036	11:41:18	मक व	हर्ष	मक	03:11:49	शनि	03/06/2034
बुध	24/09/2039	03:45:37	मक व	नेप	धनु	29:45:02	बुध	03/04/2037
केतु	23/11/2040	09:05:11	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:25:40	केतु	03/06/2038

लग्न-चलित

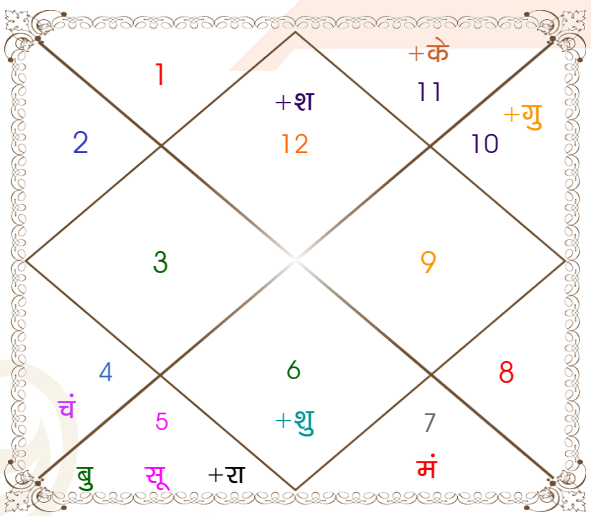

लग्न-चलित

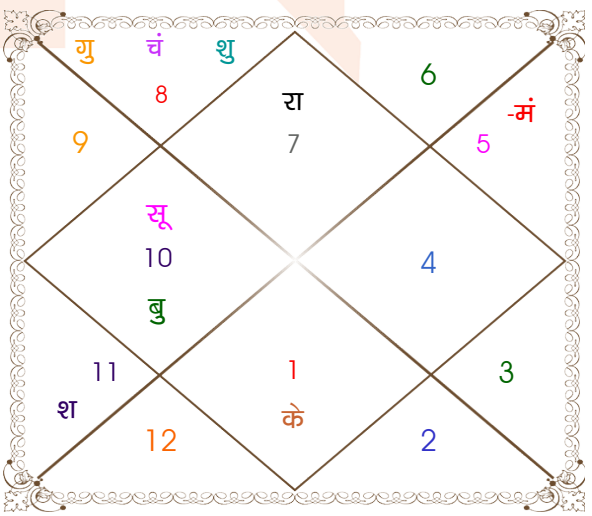

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।जनसौंतउं का वर्ग श्वान है तथा च्तंपलौंतउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।जनसौंतउं और च्तंपलौंतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।जनसौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

च्तंपलौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तंपलौंतउं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।जनसौंतउं तथा च्तंपलौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।